परासिया के तिघरा ग्राम में नकली खाद का जाल, क्या किसानों की मजबूरी पर फल-फूल रहा है खाद माफिया?

डीएपी संकट के बीच नकली खाद का खेल! तिघरा में खुली किसानों से लूट की पोल

कृषि विभाग के एसएडीओ प्रमोद सिंह उट्टी ने नकली खाद पाए जाने की पुष्टि की, जांच में पहुंचे नायब तहसीलदार और पुलिस बल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

सूचना मिलते ही पहुंची प्रशासनिक टीम

मामले की सूचना मिलने पर कृषि विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ग्राम तिघरा पहुंची। अधिकारियों ने मौके पर जांच शुरू की तथा उन किसानों के बयान दर्ज किए जिनके पास कथित रूप से यह खाद पहुंची थी। सूत्रों के अनुसार टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि खाद कहां से लाई गई, किसके द्वारा वितरित की गई और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। कुछ नमूने भी जांच के लिए भेजे जाने की चर्चा है। हालांकि प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हो चुकी है, लेकिन किसानों का कहना है कि यदि समय रहते निगरानी की गई होती तो शायद यह स्थिति पैदा ही नहीं होती।

जिले में खरीफ सीजन की शुरुआत होते ही किसान खेतों में बुवाई की तैयारियों में जुट गए हैं। आसमान से बरसती बारिश किसानों के चेहरे पर उम्मीद की मुस्कान लेकर आई है, लेकिन इन उम्मीदों पर उस समय पानी फिरता नजर आ रहा है जब किसान अपनी सबसे बुनियादी जरूरत डीएपी उर्वरक के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। सहकारी समितियों, निजी दुकानों और वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी कतारें लगी हुई हैं, लेकिन अधिकांश किसानों को खाद नहीं मिल पा रही।

दूसरी तरफ परासिया विकासखंड के ग्राम तिघरा में सामने आया नकली डीएपी खाद का मामला पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है और कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। किसानों का आरोप है कि जब असली डीएपी खाद बाजार से लगभग गायब है, तब कुछ लोग नकली खाद को असली बताकर किसानों को बेच रहे हैं। यह केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, उनकी फसल और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

खाद की किल्लत और माफियाओं की चांदी, आपदा में अवसर तलाशने में लगे मुनाफाखोर

हर वर्ष खरीफ सीजन में डीएपी खाद की मांग बढ़ जाती है। इस वर्ष भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। जिले के विभिन्न हिस्सों से किसान लगातार शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध नहीं हो रही। कई किसान सुबह से शाम तक समितियों के बाहर लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन खाली हाथ लौटने को मजबूर हो जाते हैं।इसी बीच तिघरा में नकली डीएपी खाद की बिक्री की खबर सामने आना यह संकेत देता है कि खाद की कमी का फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध कमाई का खेल खेल रहे हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर जब असली खाद की इतनी कमी है तो नकली खाद का नेटवर्क इतनी आसानी से कैसे सक्रिय हो गया?क्या यह केवल कुछ लोगों का व्यक्तिगत कारनामा है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा संगठित गिरोह काम कर रहा है? यह ऐसा प्रश्न है जिसका जवाब जिले का हर किसान जानना चाहता है।

कृषि विभाग की भूमिका पर सवाल

नकली खाद का मामला सामने आते ही सबसे बड़ा सवाल कृषि विभाग की निगरानी व्यवस्था पर उठ रहा है। आखिर जिले में उर्वरकों की बिक्री और वितरण पर नजर रखने की जिम्मेदारी किसकी है?यदि नकली खाद गांव तक पहुंच गई और किसानों तक वितरित भी हो गई, तो क्या संबंधित विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी? क्या नियमित निरीक्षण नहीं किए जा रहे थे? क्या खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की निगरानी केवल कागजों तक सीमित रह गई है?किसानों का कहना है कि हर वर्ष खाद की किल्लत होती है और हर वर्ष कालाबाजारी तथा अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में कोई बड़ा सुधार दिखाई नहीं देता।

किसानों के लिए दोहरी मार

एक ओर किसान खाद की कमी से परेशान है, दूसरी ओर नकली खाद का खतरा उसके सामने खड़ा है। यदि किसान नकली डीएपी का उपयोग कर लेता है तो उसकी फसल प्रभावित हो सकती है। बीज का अंकुरण कमजोर हो सकता है, पौधों की वृद्धि रुक सकती है और उत्पादन पर गंभीर असर पड़ सकता है।यानी किसान पहले खाद के लिए भटकता है, फिर महंगे दाम पर खाद खरीदता है और यदि वह नकली निकल जाए तो पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। इसे किसानों पर दोहरी मार नहीं तो और क्या कहा जाए?खेती पहले ही मौसम की मार, बढ़ती लागत और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझ रही है। ऐसे में नकली खाद का कारोबार किसानों को आर्थिक रूप से और कमजोर करने का काम कर रहा है।

क्या केवल छोटे कारोबारी जिम्मेदार हैं?

नकली खाद के मामलों में अक्सर छोटे विक्रेताओं या स्थानीय स्तर के लोगों पर कार्रवाई होती है, लेकिन असली सवाल यह है कि आखिर यह खाद बनती कहां है और इसका नेटवर्क कितना बड़ा है?कई बार देखने में आता है कि जांच का दायरा केवल अंतिम विक्रेता तक सीमित रह जाता है, जबकि सप्लाई चेन में शामिल बड़े लोग बच निकलते हैं। यदि प्रशासन वास्तव में इस समस्या को खत्म करना चाहता है तो उसे केवल गांव स्तर पर कार्रवाई करने के बजाय पूरे नेटवर्क की जांच करनी होगी।किसानों का भी यही कहना है कि जब तक नकली खाद तैयार करने और उसे जिले तक पहुंचाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे।

किसानों का लौटाना होगा विश्वास

किसान देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ है। यदि वही व्यक्ति खाद, बीज और अन्य कृषि आदानों की गुणवत्ता को लेकर आशंकित रहेगा तो कृषि व्यवस्था पर उसका विश्वास कमजोर होगा।इसलिए प्रशासन की जिम्मेदारी केवल दोषियों को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को यह भरोसा दिलाने की भी है कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा और उनके साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी नहीं होने दी जाएगी।

सख्त कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के किसानों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही जिले भर में उर्वरक विक्रेताओं, गोदामों और वितरण केंद्रों की व्यापक जांच की जाए ताकि कहीं और इस प्रकार का खेल न चल रहा हो।किसानों का कहना है कि यदि एक गांव में नकली खाद पकड़ी गई है तो यह मान लेना गलत होगा कि समस्या केवल वहीं तक सीमित है। जरूरत पूरे जिले में विशेष अभियान चलाने की है।

खाद संकट में कालाबाजारी की आशंका

डीएपी की कमी के बीच यह भी चर्चा का विषय है कि कहीं खाद की कृत्रिम कमी तो नहीं बनाई जा रही। किसानों का आरोप है कि कई बार खाद उपलब्ध होने के बावजूद उसे खुले वितरण के बजाय रोककर रखा जाता है और बाद में अधिक कीमत पर बेचा जाता है।यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि किसानों के साथ खुला आर्थिक अपराध है। प्रशासन को यह भी जांचना चाहिए कि जिले में आई खाद की वास्तविक मात्रा क्या थी, उसका वितरण कैसे हुआ और किन-किन केंद्रों पर कितनी खाद उपलब्ध कराई गई।पारदर्शिता की कमी ही संदेह को जन्म देती है। जांच के नाम पर खानापूर्ति नहीं चाहिए ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती है कि किसी भी बड़े मामले के सामने आने पर जांच तो शुरू हो जाती है, लेकिन कुछ दिनों बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है।तिघरा के इस मामले में भी किसानों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। लोग जानना चाहते हैं कि क्या इस बार केवल बयान लिए जाएंगे, नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे और फिर फाइल बंद हो जाएगी, या वास्तव में दोषियों तक पहुंचकर कार्रवाई होगी?यदि जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई तो इससे गलत संदेश जाएगा और नकली खाद का कारोबार करने वालों के हौसले और बढ़ेंगे।

इस युवक के पास से जब्त की गई नकली खाद

क्या नकली खाद विक्रेताओं पर शिकंजा कसेगा विभाग

प्रतिवर्ष खरीफ सीजन के दौरान नकली खाद और बीज का कारोबार किसानों के लिए गंभीर समस्या बनकर सामने आता है। हर वर्ष शिकायतें होती हैं, जांच होती है, कुछ स्थानों पर कार्रवाई भी दिखाई देती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशासन ने इस वर्ष ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस और प्रभावी तैयारी की है, या फिर किसानों को एक बार फिर उनके हाल पर छोड़ दिया गया है?छिंदवाड़ा जिले में खरीफ सीजन केवल खेती का समय नहीं, बल्कि किसानों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होता। किसान पूरे साल इस मौसम का इंतजार करते हैं और अपनी जमा-पूंजी लगाकर खेती की शुरुआत करते हैं। ऐसे समय में यदि उन्हें नकली खाद, नकली बीज या अमानक कृषि सामग्री मिल जाए तो उनकी पूरी मेहनत और उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। यही कारण है कि खाद और बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन और संबंधित विभागों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है।लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि जिले के कई हिस्सों में बिना लाइसेंस खाद और बीज बेचने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। सवाल यह है कि ऐसे कारोबारियों पर विभाग द्वारा कितनी सख्ती से कार्रवाई की जाती है? क्या नियमित निरीक्षण किए जाते हैं? क्या अवैध रूप से कृषि आदान बेचने वालों के खिलाफ अभियान चलाए जाते हैं? या फिर कार्रवाई केवल शिकायत मिलने के बाद औपचारिकता तक सीमित रह जाती है?स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उद्यानिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी बीजों और पौध सामग्री के विक्रय के लिए पूरे जिले में मात्र 48 लाइसेंस जारी किए गए हैं। यह आंकड़ा अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। क्या जिले की विशाल कृषि आबादी और भौगोलिक क्षेत्रफल के हिसाब से यह संख्या पर्याप्त है? क्या विभाग के पास निगरानी और नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था है? या फिर सीमित लाइसेंस और कमजोर निरीक्षण व्यवस्था का लाभ उठाकर अवैध कारोबार फल-फूल रहा है?किसानों का कहना है कि उन्हें केवल जांच और आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहिए। नकली खाद और बीज बेचने वालों पर कठोर दंड, नियमित जांच अभियान और पारदर्शी वितरण व्यवस्था ही इस समस्या का स्थायी समाधान हो सकती है। अन्यथा हर वर्ष की तरह इस बार भी किसान ठगे जाएंगे और जिम्मेदार विभाग केवल रिपोर्ट तैयार करने तक सीमित रह जाएंगे।अब देखना यह है कि शासन और प्रशासन किसानों के हितों की रक्षा के लिए कितनी गंभीरता दिखाते हैं, या फिर हाथ पर हाथ धरे किसानों को लुटते हुए देखते रहते हैं। इसका जवाब आने वाले दिनों की कार्रवाई तय करेगी।

किसानों के विश्वास को बनाए रखने की प्रशासन के सामने है चुनौती

तिघरा में सामने आया यह मामला केवल नकली खाद का नहीं, बल्कि कृषि व्यवस्था की विश्वसनीयता का मामला बन चुका है। एक तरफ किसान खाद के लिए भटक रहा है, दूसरी तरफ कुछ लोग उसकी मजबूरी को कमाई का जरिया बना रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल अब भी वही है जब डीएपी की किल्लत पूरे जिले में चर्चा का विषय थी, तब नकली खाद बेचने वालों के हौसले इतने बुलंद कैसे हो गए? क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं थी या फिर किसी स्तर पर लापरवाही हुई?जिले के किसान अब जवाब चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि उनकी मेहनत और उनकी फसल के साथ खिलवाड़ करने वालों पर आखिर कब और कितनी बड़ी कार्रवाई होगी। तिघरा की यह घटना प्रशासन के लिए एक अग्निपरीक्षा है। यदि जांच निष्पक्ष और प्रभावी हुई तो किसानों का भरोसा मजबूत होगा। लेकिन यदि मामला फाइलों के ढेर में दब गया, तो यह संदेश जाएगा कि खाद माफिया व्यवस्था से ज्यादा ताकतवर हैं।फिलहाल पूरा जिला यही देख रहा है कि प्रशासन नकली खाद के इस खेल की जड़ों तक पहुंचता है या फिर किसानों के सवाल एक बार फिर अनुत्तरित रह जाते हैं। विगत रवि के सीजन में भी हरिभूमि द्वारा खाद के माप तौल को लेकर खड़े किए गए थे लेकिन विभाग ने लीपापोती कर मामले को दबा दिया था। इमलीखेड़ा स्थित सहकारी समिति पर लीपापोती की कार्यवाही की गई थी।

इनका कहना हे

इस संबंध में जब किसानों से बात की गई तो किसानों में डर का माहौल है। वे एक दो दिन में और दूसरे किसानों से इस संबंध में उनका पक्ष लिया जाएगा। इस कार्यवाही में एक दो दिन और लग सकते है। पूरी जानकारी किसानों के स्टेटमेंट के बाद ही सामने आएगी और खाद पूरी तरह नकली है। ये खाद पूर्णतः डुप्लीकेट है। यह आईपीएल कंपनी की है। जांच के बाद कठोर कार्यवाही की जाएगी। ताकि किसान लूट से बच सके।

प्रमोद सिंह उट्टी
एसएडीओ, कृषि विभाग परासिया

गरीबी संघर्ष से हार गए दिव्यांग मजदूर ने लगाई फांसी

मृतक अपने पीछे पत्नी, पुत्र पुत्री छोड़ गये है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

नगर के वार्ड क्रमांक 9 सिनेमा टॉकीज के पीछे एक अत्यंत दुखद घटना सामने आई है, जहाँ 40 वर्षीय एक दिव्यांग व्यक्ति ने अपने ही घर में फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

मृतक रवि वानखेड़े (41 शारीरिक रूप से दिव्यांग होने के बावजूद बेहद मेहनती थे। वे मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, घटना आज दोपहर करीब 1 बजे की है। जिस समय रवि ने दूसरी मंजिल पर जाकर साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या की, उस समय परिजन घर के निचले हिस्से में अपने घरेलू कार्यों में व्यस्त थे। जब उन्हें घटना का पता चला, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

मृतक रवि के असामयिक निधन से उनका परिवार बेसहारा हो गया है। वे अपने पीछे पत्नी लताबाई और दो छोटे बच्चे- कृष्ण और तृप्ति को छोड़ गए हैं। एक दिव्यांग पिता का साया सिर से उठ जाने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।सूचना पर पुलिस एएसआई कैलाश पवार ने घटनास्थल का मुआयना किया और पंचनामा तैयार किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक रवि वानखेड़े की अंतिम यात्रा कल, बुधवार को उनके निज निवास से निकाली जाएगी।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1000 किलो महुआ लाहन किया नष्ट

सौंसर। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के उद्देश्य से आबकारी विभाग ने सघन अभियान चलाया है। प्रभारी कलेक्टर अग्रिम कुमार के निर्देशन सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन में विभाग की टीम ने अवैध शराब के अड्डों पर ताबड़तोड़ दबिश दी, जिससे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।आबकारी वृत्त पांढुर्णा की टीम ने ग्राम चिरकुटाघोंदी, घोघरी साहनी और हिवरा में संचालित अवैध शराब के ठिकानों को चिन्हित कर वहां छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान नालों के किनारे और जंगल के झाड़ियों वाले इलाकों में छिपाकर रखी गई अवैध शराब बनाने की सामग्री बरामद की गई।छापेमारी के दौरान आबकारी टीम ने पन्नियों और ड्रमों में भारी मात्रा में जमा करके रखा गया लगभग 1000 किलो महुआ लाहन जब्त किया। विभाग द्वारा नियमानुसार महुआ लाहन का सैंपल सुरक्षित रख लिया गया और शेष सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अवैध शराब निर्माण के खिलाफ की गई इस प्रभावी कार्रवाई में मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के अंतर्गत कुल 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।इस कार्रवाई में वृत्त प्रभारी अनिकेत पटेल, आरक्षक मुकेश रहांगडाले और अनुराग गोनेकर की सराहनीय भूमिका रही है।

साहनवाड़ी, पनियारी और बड़ोसा में लगाई चौपाल

गांवों और शहरों में हर पात्र हितग्राही को सीधे मिल रहा लाभः साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में गांवों और शहरों के हर पात्र हितग्राहियों को मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। अब लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए बिजोलियों की मदद नहीं लेनी पड़ रही है। अब हितग्राहियों के खाते में सीधे जनकल्याणकारी योजनाओं की सहायता राशि भेजी जा रही है। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने बिछुआ के ग्राम ने राघादेवी, साहनवाड़ी, पनियारी और बड़ोसा में चौपाल लगाते हुए आमजनों को संबोधित करते हुए कही। सांसद बंटी विवेक साहू ने बिछुआ के गांवों में चौपाल लगाकर चौपाल में बडी संख्या में पहुंचे आदिवासी भाई-बहनों व ग्रामीणों और आमजनों से चर्चा करते हुये उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया है। इस अवसर पर सांसद बंटी विवेक साहू ने ग्रामीणों को बताया कि मोदी सरकार के 12 साल विश्वास,विकास एवं जनकल्याण के रहे है। इस दौरान सांसद श्री साहू ने ग्रामीणों एवं आमजनों को बताया कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत लोगों को लाभ मिल रहा है। सांसद श्री साहू ने जहा राघादेवी में स्थित मंदिर में पूजा अर्चना भी की। इस दौरान सांसद ने गांवों में पौधारोपण भी किया। सांसद बंटी विवेक साहू ने चौपालों में पहुंचकर आमजनों पर फुलों की वर्ष करते हुये आमजनों का अभिनंदन और स्वागत भी किया।

आंधी तूफान के कारण अचानक फटा महुआ का झाड

दमुआ। न.पा. दमुआ के निकाय क्षेत्र के वार्ड न. 16 दमुआ सारणी मार्ग के किनारे हाईवे राजमार्ग अमरजीत ढाबे के सामने मुख्य मार्ग के किनारे से लगा हुआ महुआ का झाड (पेड) अचानक आंधी तूफान आने की वजह से महुआ का पेड बीच में से फट गया है पेड इतना बडा है कि लम्बाई एवं उंचाई भी ज्यादा है और मोटा भी जो झुका हुआ है जो हाल ही में अचानक आंधी तूफान आने के कारण बीच में से फट गया है जबकि पेड के पास से 11 के.वी. की बिजली का तार भी गया हुआ है एव पेड के करीब कुछ दुकाने भी है पेड बीच में से फट जाने पर कभी भी गिर सकता है और हादास दुर्घटना भी हो सकती है। जिससे जानमाल की नुकसान भी हो सकता है। इसलिए इस ओर ध्यान आकृषित कर शीघ्र न.पा. दमुआ प्रशासन एवं वन विभाग एवं बिजली विभाग के अधिकारियों को चाहिए कि जल्द से जल्द फटे हुए पेड को कटाना अति आवश्यक हो गया है ताकि भविष्य मे किसी भी प्रकार का नुकसान ना हो और जन धन की हानि होने से बचाया जा सके।

सरकार ने खाद लेने के लिए नियम और कानून सिर्फ किसानों के लिए बनाए: नकुलनाथ

पहले खाद की कालाबाजारी होती थी अब खाद ही गायब होने लगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने खाद की हेराफेरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा किसानों का हक मारा जा रहा है और जिम्मेदार सोए हुए हैं। कालाबाजारी से एक कदम बढ़कर अब गोदामों से ही खाद गायब हो रहा है तो कहीं नियम विरुद्ध जाकर खाद बेच दी जा रही और किसान भाइयों को खाद के लिए नियमों का हवाला दिया जा रहा। कई कृषक ऐसे भी है जो ठेके पर भूमि लेकर खेती किसानी करते हैं, उनके लिए नियम पेचिदा साबित हो रहे। वहीं खाद का दूसरा पहलू यह भी है कि गोदाम से ही गायब हो रहा। ऐसे में प्रश्न यह उठ रहा है कि आखिर खाद गायब होने के बाद कहां जा रही।

नगद राशि लेकर भटकते किसान भाइयों को उचित मूल्य की दुकानों से खाद नहीं मिल रही। वे खुले बाजार में लुट रहे हैं, क्योंकि जिम्मेदारों का लालच इतना बड़ा हो चुका है कि वे अब किसान भाइयों के हक की खाद भी नियमों के खिलाफ जाकर बेच रहे। ऐसा तभी संभव है जब सरकार की ओर से हरी झंडी मिल जाए या फिर कार्रवाई का भय खत्म हो जाए अथवा सत्ता से जुड़े हुए लोग ही उसमें लिप्त हो। विभिन्न दस्तावेजी प्रक्रिया को पूर्ण करने के उपरांत भूमि के रकबे अनुसार खाद प्राप्त करने के लिए चक्कर काटने पड़ रहे।

हाल ही में सरकार ने खाद के मूल्यों में प्रति बोरी 175 रुपए से लेकर 550 रुपए तक की वृद्धि का बोझ भी डाला है। पोटाश के दाम प्रति बैग 1800 से बढ़कर अब 1975 रुपए, पोटाश में सीधे 75 रुपए की मूल्य वृद्धि एनपीके के दाम 1900 रुपए से बढ़कर 2450 रुपए तक पहुंच गए हैं। निश्चित तौर पर गोदामों से गायब हुए खाद पर मुनाफाखोरी की जा रही होगी, क्योंकि लाखों रुपए के खाद का गायब होना कोई सामान्य घटना नहीं है। इतने गम्भीर और संवेदनशील मामले में कार्रवाई नहीं होना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना है। छिन्दवाड़ा और पांढुर्ना जिले का किसान खाद के लिए भटक रहा, कतार में खड़ा हो रहा और नियमों का पालन भी कर रहा फिर भी उसे पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल रही, इसकी सबसे बड़ी वजह भाजपा का भ्रष्टाचार में गले तक डूबा हुआ वह तंत्र हैं जिसका दंश सिर्फ किसान ही नहीं बल्कि पूरा समाज झेल रहा है।

विगत दो वर्षों से खाद की किल्लत का सामना करने वाले अन्नदाता पर लाठियां भांजी गई। अपराधिक मामले पंजीबद्ध किए गए सिर्फ इसीलिये कि उन्होंने खाद मांगी थी। नियमों के खिलाफ जाकर खाद का विक्रय और खाद की बोरियों का गायब होने के मामले में किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से यह प्रतीत होता है कि सरकार ने किसान भाइयों को परेशान और त्रस्त करने के लिए स्थाई समस्याएं निर्मित की है।

छिन्दवाड़ा जिला मुख्यालय के बाद मेघदौन और चांद की समितियों से लाखों रुपयों की खाद गायब होना और नियम विरुद्ध बेचा जाना संगठित समूह के द्वारा किया जाना प्रतीत होता है और यह पता नहीं चलना की आखिर खाद गई कहां ? यह बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही है। माननीय नकुलनाथ जी ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों का हिस्सा चुराने वाली सरकार को किसान भाई जल्द जवाब देंगे।

मरीज को बांटे फल फ्रूट

दमुआ। लायंस सेवा समिति दमुआ द्वारा प्रति सप्ताह दिन मंगलवार को बैरियर कॉलरी ऑफिस के पास गरीब भोज का आयोजन किया जाता है जिसमें असहाय निर्धन जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन एवं वस्त्र वितरित किए जाते हैं जिसमें अज्जू भाई कंपाउंडर के जन्मदिन के मुबारक मौके पर डॉक्टर विश्वकर्मा हॉस्पिटल दमुआ में मरीजों को उनके द्वारा फल फ्रूट वितरित किए गए और बीमार मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित डॉक्टर आर,के, विश्वकर्मा, राकेश खातरकर, दुर्गा सिंह राजपूत, अज्जू भाई मुकेश सूर्यवंशी संजय भाई मोहन भाई राजा भाई दीक्षित मैडम युक्ति मैडम अंशु मैडम विभा मैडम सहित लायंस सेवा समिति के सेवादार भी उपस्थित रहे।

सुशासन पर्व मना रही भाजपा

परासिया : प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल पुरे होने पर भाजपा इसे सुशासन पर्व के रूप में मना रही है । जिसके अंतर्गत भाजपा नेता , पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने अपने हिसाब से विभिन्न कार्यक्रम कर रहे हैं । इसी कड़ी में परासिया विधानसभा प्रभारी ज्योति डेहरिया ने उमरेठ मण्डल के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया । भाजपा के क्षेत्रीय नेताओं , पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिली । उन्होंने लोगों से भाजपा की नीति और सबका साथ सबका विकास सिद्धांत पर चर्चा की । भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार द्वारा पुरे देश में स्थापित किए गए सुशासन और प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व का बखान किया ।

19 को 19 जगह जलाए जाएंगे पुतले, भाजपा सरकार की विफल नीतियों और कार्यों के खिलाफ कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

परासिया : भाजपा सरकार की विफल नीतियों , कार्यों के विरोध में आगामी 19 जून कांग्रेस प्रदर्शन करेगी और अलग - अलग 19 स्थानों पर पुतले जलाएगी । जिसके लिए सभी अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारियों को जवाबदारी दी गई है ।ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कमल राय ने जानकारी देते हुए बताया , कि आगामी 19 जून को भाजपा सरकार के खिलाफ पुतला दहन का कार्यक्रम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रखा गया है । यह पुतला दहन परासिया , चांदामेटा , बड़कुही , न्यूटन , अंबाड़ा , भमोड़ी , दीघावानी , पलटवाड़ा , छिंदा , छित्तरी , बेलगांव , शिवपुरी , खिरसाडोह , पगारा , मंडला - मंडली , कोहका - दमुआ , इकलहरा , रावनवाड़ा और झूरें में किया जाएगा । जिसके लिए इन क्षेत्रों के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है । परासिया नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने बताया , कि परासिया तहसील के सामने 19 जून को 11 बजे पुतला दहन होगा ।

मतदाता सूची संशोधन को गम्भीरता से लें पदाधिकारी व कार्यकर्तागण

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ की मंशा से नवेगांव व जुन्नारदेव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन को सभी गम्भीरता से लेते हुए कार्य करें। संशोधन के लिए निर्धारित तारीख 15 जून थी जिसे राज्य निर्वाचन आयोग ने बढ़ाकर 25 जून कर दिया है। कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के पास नाम जुड़वाने और हटवाने के लिए अतिरिक्त 7 दिन का समय है इसका पूरा व सही उपयोग करें। आज दिनांक तक आप सभी ने पूरी लगन के साथ अपने-अपने क्षेत्र में नवीन मतदाता जिनकी उम्र अभी 18 वर्ष हुई है उनका नाम जुड़ाने का काम किया है साथ ही अनावश्यक नामों को हटवाने की प्रक्रिया पर भी ध्यान दिया। पुनः पूरी लगन व मेहनत के साथ जुटकर शेष नामों को जुड़वाने और हटवाने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। आगामी नगरीय निकाय चुनाव पर जोर देते हुए उन्होंने आगे कहा कि मतदाता सूची चुनाव की सबसे बड़ी व मजबूत कड़ी है।

दो दिवसीय श्रुत पंचमी महोत्सव आज से

छिंदवाड़ा। श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन आज गुरुवार ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी एवं कल शुक्रवार जेष्ठ शुक्ल पंचमी के शुभ दिन विविध अनुष्ठानों के साथ दो दिवसीय श्रुत पंचमी महोत्सव मनावेगा। फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया मंगल महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 7 बजे श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय गोल गंज में श्री जिनबिंब प्रक्षालन से होगा पश्चात 7.20 बजे से ध्वजारोहण, 7.30 से नित्य नियम पूजन, 7.45 से मंगल कलश एवं जिनवाणी स्थापना कर 1008 तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मंगलकारी निर्वाण महोत्सव एवं आचार्य भूतबली एवं पुष्पदंतजी की पूजन करेगा। शुक्रवार जेष्ठ शुक्ल पंचमी श्रुत पंचमी के शुभ दिन प्रातः 7 बजे श्री जिनबिंब प्रक्षालन, 7.20 से श्री जिनेन्द्र पूजन एवं श्रुत पंचमी विधान कर 9 बजे से श्री जिनवाणी चल समारोह निकाला जाएगा जिसकी पूर्णता पर वीतराग भवन में साधर्मी वात्सल्य होगा।

सांसद ने प्रबुद्धजनों, बुजुर्गों, आमजनों और प्रमुखजनों का अभिनंदन कर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

मोदी सरकार के 12 साल विश्वास, विकास एवं जनकल्याण को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा शहर और गांवों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर इसे एक उत्साह के रूप में मनाया जा रहा है, इसी के तहत सांसद बंटी विवेक साहू भी विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत शहर सहित गांवों में जाकर लोगों से जनसंपर्क करते हुए मोदी सरकार के इस सफलतम 12 वर्ष के साक्षी बनने पर प्रबुद्धजनों, बुजुर्गों, आमजनों और प्रमुखजनों का अभिनंदन करते हुए उनका सम्मान भी कर रहे है।

मोदी सरकार के 12 साल विश्वास, विकास एवं जनकल्याण को लेकर को सांसद बंटी विवेक साहू ने विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित सक्सेना व डॉक्टर अनिल सक्सेना के निवास स्थान पहुंचकर जहा उनसे भेंट की वहीं उनका अभिनंदन करते हुए उनका सम्मान भी किया। वहीं विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत ही राहुल भसीन और शिवेन्द्र सिंह रघुवंशी से मुलाकात करते हुए उनका अभिनंदन किया वहीं शिवेन्द्र सिंह रघुवंशी के पुत्र आर्यमन सिंह रघुवंशी को बिलासपुर का जज नियुक्त होने पर सम्मानित भी किया। साथ ही सांसद श्री साहू ने छिंदवाड़ा शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर उमाशंकर राय, मनोहर ठाकरे, मुकेश प्रजापति, भास्कर मिश्र, संकेत अग्रवाल, डॉक्टर निश्चल जैन और नरसिंगपुर नाका छिंदवाड़ा में मुन्ना लाल गुप्ता, अभिषेक गुप्ता एवं सिवनी प्राणमोती वार्ड नंबर 16 में अजय जुनेजा से मुलाकात करते हुए उनका अभिनंदन और सम्मान किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि संतोष पटेल, दिनेशकांत मालवीय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बंटी पटेल, जिला संपर्क अभियान प्रभारी नीरज भारद्वाज, वरिष्ठ भाजपा नेता जगेन्द्र अल्डक, मनोज सक्सेना आदि मौजूद रहे।

पुल के नीचे अब भी थम रहा पानी

परासिया :- जिस समस्या से निजात पाने लोगों ने लगभग 6 सवा 6 महीने तकलीफ उठाई , वैकल्पिक उबड़ - खाबड़ मार्गों से आना - जाना किया , वह समस्या फिर मुँह बांए खड़ी दिखाई दे रही है । नव निर्मित रेलवे पुल के नीचे अब भी पानी थम रहा है । यह स्तिथि ढांक के तीन पात जैसी दिखाई दे रही है ।परासिया - तामिया मार्ग पर स्तिथ रेलवे ब्रिज अब नए स्वरुप में आ गया है । इसके निर्माण के लिए आवागमन बंद रहने के दौरान लोगों ने जो दर्द और तकलीफे सही हैं , सब्र किया उसका प्रतिफल कुछ खट्टा , कुछ मीठा मिलने के आसार दिखाई दे रहे हैं , क्योंकि इस पुल के नीचे बारिश के दिनों में पानी थमने और बाजार के दिनों में जाम लगने की समस्या नासूर बनी हुई थी । नेताओं , जनप्रतिनिधियों , समाजसेवियों की बेजा मिन्नतों , शिकायतों और आंदोलनों के बाद नवंबर 2025 में वह दिन आया जब पुल निर्माण शुरू हुआ । लोगों को उम्मीद जगी की अब पानी थमने और जाम लगने से छुटकारा मिलेगा , लेकिन मंगलवार और बुधवार को हुई बारिश के बाद पुल के नीचे पानी थमा तो फिर लोगों के मन में शक पैदा हो गया है , कि अब भी उन्हीं मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा । हालांकि निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है । 5 जून से आवाजाही तो शुरू हो गई है । सड़क पर अभी मटेरियल पड़ा हुआ है । निर्माणकर्ताओं का कहना है , कि अभी मार्ग की सफाई नहीं हुई है , सड़क पर रेत गिट्टी बिखरी होने के चलते एक - सवा इंच पानी थम रहा है । सफाई होने के बाद पानी नहीं थमेगा । निर्माणकर्ताओं की यह बात सही साबित होती है , तो अच्छी बात है , वरना लोगों को फिर वही समस्या से झूझना पड़ेगा ।

बैहर के ग्राम जत्ता में सुपर सीडर से डीएसआर पद्धति द्वारा धान की सीधी बुआई, किसानों के लिए बनी प्रेरणा

बालाघाट। बालाघाट जिले में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में बैहर विकासखंड के ग्राम जत्ता में कृषक दिलीप बोपचे के 3 एकड़ खेत में 17 जून को सुपर सीडर मशीन के माध्यम से डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से धान की सीधी बुआई की गई। यह तकनीक क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है और जिले में डीएसआर पद्धति से धान बुवाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार डीएसआर पद्धति धान उत्पादन की एक आधुनिक एवं किफायती तकनीक है, जिसमें नर्सरी तैयार करने, पौध उखाड़ने और रोपाई जैसे पारंपरिक कार्यों की आवश्यकता नहीं होती।

वीरता को किया नमन, गूंजे महाराणा प्रताप के जयकारे, समाज को दी एकता की सीख

अस्पताल में मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

शासन के निर्देशानुसार वीर शिरोमणि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में बुधवार 17 जून को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ क्षत्रिय राजपूत समाज के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महाराणा प्रताप के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके त्याग, बलिदान और स्वाभिमान को याद किया गया। जयंती समारोह का शुभारंभ सुबह 11 बजे अस्पताल परिसर में किया गया। कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ क्षत्रिय राजपूत समाज के अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर, मनोज सिंह चौहान, यशवंत सिंह ठाकुर, हेमंत सिंह राजपूत, सतीश सिंह परमार, महेन्द्र सिंह ठाकुर, मयंक सिंह बघेल, गणपत सिंह चौहान, सोना सिंह दीक्षित विशेष रूप से मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. आलोक सूर्यवंशी, सचिन अग्रवाल सहित नर्सिंग स्टाफ, और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बीएमओ डॉ. विनोद भलावी और समाज अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर ने संयुक्त रूप से महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने बारी-बारी से माल्यार्पण कर वीर शिरोमणि को नमन किया। इस दौरान पूरा अस्पताल परिसर महाराणा प्रताप अमर रहें के जयकारों से गूंज उठा। क्षत्रिय राजपूत समाज के अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की आन-बान-शान के लिए अपना पूरा जीवन जंगलों में बिता दिया, लेकिन अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। हल्दीघाटी का युद्ध उनकी वीरता का प्रतीक है। उनका घोड़ा चेतक भी स्वामीभक्ति की मिसाल है। आज की युवा पीढ़ी को उनके जीवन से त्याग, तपस्या और राष्ट्रप्रेम सीखना चाहिए।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी ने अपने संबोधन में कहा कि शासन के आदेश पर आज हमने अस्पताल परिसर में महाराणा प्रताप जयंती मनाई है। महाराणा प्रताप केवल एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं। उनका जीवन स्वाभिमान, देशभक्ति और संघर्ष की अद्भुत मिसाल है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। जिस तरह उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी, उसी तरह हमें भी स्वास्थ्य सेवाओं में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करना है।

शासन की बिना अनुमति के अतिक्रमण कर 60 दुकानों का किया गया है निर्माण

डोंगरमाली में शासकीय चारागाह की भूमि पर निर्मित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की आज जांच करेगी राजस्व विभाग की टीम

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरमाली में शासकीय चारागाह की भूमि पर पिछले 9 महीनों में बिना वैधानिक अनुमति के लगभग 60 दुकानों का कॉम्प्लेक्स बना लिए जाने की शिकायत की जांच के लिए 18 जून को एक 4 सदस्यीय दल डोंगरमाली पहुंच रहा है। जो दुकानों के निर्माण, जमीन की स्थिति व निर्माण की अनुमति सहित अन्य विषयों की जांच करेगा।

राजस्व अमला गहरी नींद में सोता रहा, बन गए कॉम्पेक्स

यहां उल्लेखनीय है कि बिना अनुमति कॉम्प्लेक्स निर्माण की शिकायत पहले भी कलेक्टर बालाघाट, एसडीएम, तहसीलदार को ग्रामीणों द्वारा की गई थी, लेकिन राजस्व विभाग वारासिवनी का पूरा अमला गहरी नींद में सोता रहा। कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार को शिकायत करने के बावजूद जनपद पंचायत वारासिवनी की जांच टीम ने अपनी जांच रिपोर्ट में पूरे मामले को गहरा दफ़न कर दिया।

10 दुकानों की अनुमति, बनाई 60 दुकानें

विदित हो कि ग्राम पंचायत डोंगरमाली में शासकीय चारागाह की भूमि खसरा नंबर 225/2 रकबा 0.732 हेक्टेयर भूमि के एक बड़े हिस्से पर बनी हुई कच्ची झोपड़ियों को सरपंच द्वारा तुड़वा दिया गया था और फिर उनके स्थान पर पक्की दुकानों के कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रारंभ कर दिया गया। जिसकी अनुमति सरपंच द्वारा राजस्व विभाग से नहीं ली गई। पंचायत ने जनपद पंचायत वारासिवनी से लगभग 10 दुकानों के निर्माण की स्वीकृति हासिल की थी। लेकिन जब निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, तो हल्का पटवारी द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को एक लिखित प्रतिवेदन सितंबर 25 में देकर शासकीय चारागाह की भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने की जानकारी दी गई थी। किन्तु प्रशासनिक लापरवाही का आलम यह था कि 3 माह तक प्रतिवेदन फाइलों में बंद पड़ा रहा और दुकानों का निर्माण तेज गति से होता रहा।

जब दुकानें लगभग बनकर तैयार हो गई और ग्रामीणों ने कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार को शिकायत की, तब पटवारी का वह प्रतिवेदन भी फाइलों से बाहर निकला। लेकिन उसके बावजूद भी अधिकारियों ने ना तो निर्माण कार्य को रुकवाने का कोई प्रयास किया और ना ही किसी प्रकार की कार्यवाही निर्माणकर्ताओं के खिलाफ की गई। सिर्फ सरपंच सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया और जनपद पंचायत वारासिवनी की टीम से जांच करवाई गई।

इन सब कार्यवाही के दौरान शासकीय चारागाह की भूमि पर अलग अलग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के रूप में लगभग 60 दुकानों का निर्माण कर दिया गया। इन दुकानों की बिक्री का कोई भी लेखा जोखा पंचायत में नहीं रखा गया और बिना किसी लिखा पढ़ी के पूरी दुकानों को बेच दिया गया।

लेकिन जब इस मामले की शिकायत हुई। तो बताया जाता है कि सरपंच ने सबसे पहले दुकानदारों को दी गई सभी रसीदें वापस ले ली और फिर दुकानदारों को धमका चमका कर जनपद पंचायत की जाँच टीम के सामने बयान दिलवाए गए कि दुकानों का निर्माण खुद दुकानदार द्वारा किया गया है, सरपंच ने कोई राशि नहीं ली है।

लेकिन जांच टीम ने जिस भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है, वह भूमि शासकीय है या निजी ..? इसकी जांच करने से परहेज किया। जिसके बाद ग्रामीणों ने पुनः एसडीएम व तहसीलदार को शिकायत कर शासकीय चारागाह की भूमि पर किए गए अवैध निर्माण पर कार्यवाही की मांग की। जिस पर तहसीलदार के निर्देश पर मेंडकी मंडल के प्रभारी राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में 4 सदस्यीय जांच टीम बनाई गई है, जो 18 जून को डोंगरमाली पहुंच कर शिकायत की जांच करने वाली है।

शिकायतकर्ता मनोहर लिल्हारे, मानिक भगत व ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच व सचिव द्वारा जिस स्थान पर काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है, वह स्थान चारागाह की शासकीय भूमि के रुप में राजस्व विभाग के दस्तावेजों में दर्ज है। इस भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य बिना शासन की अनुमति के नहीं किया जा सकता है और चारागाह की शासकीय भूमि पर कोई भी निर्माण करने के लिए पहले भूमि का मद परिवर्तन करवाना पड़ता है। किंतु सरपंच-सचिव व दुकानदारों द्वारा ना तो भूमि का मद परिवर्तन करवाया गया है और ना ही किसी भी प्रकार की अनुमति शासन से ली गई है।

पुस्सुटोला के समीप पिकअप वाहन की टक्कर से युवक की मृत्यु

पत्नी एवं दो बच्चे गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुस्सुटोला के समीप एक तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में शिवधाम वारासिवनी निवासी सरवन पटले की मृत्यु हो गई, जबकि उनकी पत्नी आरती पटले, पुत्र मयूर पटले एवं पुत्री आरजू पटले गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना मिलने पर जनपद पंचायत सदस्य एवं ब्लाक कांग्रेस डोंगरमाली अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह जीतू राजपूत तत्काल अपने निजी वाहन से घटनास्थल पहुंचे तथा घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने सरवन पटले को मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि सरवन पटले अपने परिवार के साथ उमरटोला से अपने घर लौट रहे थे, तभी पुस्सुटोला के समीप यह दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना के उपरांत पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस प्रकरण की जांच में जुटी हुई है। घटना रात करीब 10 से 11 बजे की बताई जा रही है।

वाहन मालिक ने दी आर्थिक सहायता, पुलिस के आश्वासन पर माने ग्रामीण

कटंगी में शव रखकर प्रदर्शन, ओमनी हादसे में मौत के बाद बाइक दुर्घटना बताने पर भड़के परिजन

हरिभूमि न्यूज कटंगी। सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद मौत का कारण छिपाने और परिजनों को गुमराह करने का मामला सामने आया है। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने बुधवार सुबह मृतक भरत लाल नेवारे का शव कटंगी शहर के वारासिवनी रोड स्थित तिरुपति एग्री सीड्स कृषि केंद्र के सामने रखकर करीब साढ़े 03 घंटे तक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने वाहन मालिक पर हादसे की सच्चाई छिपाने और पुलिस को गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार को न्याय व आर्थिक सहायता की मांग की। मामला तब शांत हुआ जब दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वाहन मालिक बब्बू गौतम ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दी और कटंगी पुलिस ने रामपायली थाने में परिजनों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद परिजन शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए गांव रवाना हुए। पुलिस मृतक के कुछ परिजनों को लेकर एफआईआर कराने रामपायली थाने गई।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, मंगलवार 16 जून को सुबह करीब 7 बजे रामपायली थाना क्षेत्र के खड़गपुर से अमई सड़क मार्ग पर एक सड़क हादसा हुआ। एक ओमनी कार रोड साइड क्रैश बैरियर से जाकर टकरा गई। इस हादसे में ग्राम अगासी निवासी भरत लाल नेवारे की मौत हो गई। हादसे के बाद भरत को पहले वारासिवनी और फिर जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल बालाघाट में पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया। विवाद की शुरुआत 16 जून की दोपहर करीब 3 बजे हुई। कुछ स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खबर प्रकाशित और प्रसारित हुई कि भरत लाल बाइक से जा रहा था। खबर में रवि पटले का बयान था, जो स्वयं को मृतक भरत लाल का पड़ोसी बता रहा था। रवि पटले ने मीडिया को बताया कि भरत लाल अपने किसी रिश्तेदार को लेने के लिए रामपायली जा रहे थे। रास्ते में अचानक वन्य प्राणी जंगली सुअर सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में हादसा हुआ। घटना के बाद भरत लाल को वारासिवनी लेकर गए, जहां से जिला अस्पताल बालाघाट ले गए, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई।

खबर संक्षेप

19 एवं 20 जून को जिले में आयोजित होंगी प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं

हरिभूमि न्यूज सिवनी। राज्य शासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मध्य संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कृषि आधारित विशेष अभियान के अंतर्गत जिले में 19 एवं 20 जून 2026 को प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, कृषि लागत में कमी तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के तहत 19 जून 2026 को विकासखंड घंसौर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित होगी। वहीं 20 जून 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, नागपुर रोड, सिवनी के प्रांगण में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त 20 जून को होगी जारी, जिले में मनाया जाएगा पीएम किसान उत्सव दिवस

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को मिलने वाली 23वीं किस्त का वितरण 20 जून 2026 को किया जाएगा। इस अवसर पर पूरे जिले में जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर पीएम किसान उत्सव दिवसस का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी स्तरों पर कराया जाएगा। कार्यक्रम का प्रसारण प्रोजेक्टर एवं बड़ी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें।

रिश्वत पकड़े गए रीडर को कलेक्टर ने किया निलंबित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कार्यालय अपर कलेक्टर लखनादौन में रीडर के पद पर कार्यरत सहायक ग्रेड-03 माधव प्रसाद तिवारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, न्यायालय अपर कलेक्टर लखनादौन के एक राजस्व प्रकरण में संबंधित आवेदक से जिला मुख्यालय सिवनी में 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते समय लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने 16 जून को कार्रवाई करते हुए श्री तिवारी को रंगे हाथों पकड़ा। निलंबन अवधि के दौरान श्री तिवारी का मुख्यालय तहसील कार्यालय कुरई निर्धारित किया गया है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण जारी, 25 जून तक करें दावा-आपत्ति

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के पांचों नगरीय निकायों की मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में नए नाम जोडऩे, त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों में संशोधन करने तथा अपात्र, मृत या दोहरे नामों को हटाने के लिए 25 जून 2026 तक दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। संबंधित वार्डों के दावा-आपत्ति केंद्रों पर प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित प्रपत्रों में आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं।
उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) ने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रारूप ईआर -1 में आवेदन प्रस्तुत कर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। वहीं, मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता, आयु अथवा अन्य जानकारी में त्रुटि होने पर प्रारूप ईआर -3 के माध्यम से संशोधन कराया जा सकता है। इसी प्रकार, यदि किसी मतदाता की मृत्यु हो चुकी है, वह संबंधित क्षेत्र का निवासी नहीं रह गया है।

घर में फायरिंग करने वाले शूटर चढ़े कोतवाली के हत्थे

प्रोपर्टी विवाद के कारण बाहर से शूटर बुलाकर कराई गई थी फायरिंग शूटर सहित 3 आरोपी गिरफ्त में

सिवनी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी अपराधों की रोकथाम के खिलाफ न केवल सख्त है अपितु प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं एएसपी दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सचिन परते के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा बुधवारी में विगत दिनों की गई फायरिंग की घटना को अंजाम देने वाले 03 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 12/06/2026 को प्रार्थी शैलेन्द्र चोरसिया निवासी सुनारी मोहल्ला सिवनी द्वारा थाना कोतवाली सिवनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके घर में 11-12 की दरमियानी रात लगभग 02.30 बजे अज्ञात युवकों के द्वारा बंदूक से फायर किया गया है जो सूचना पर तत्काल एसडीओपी सिवनी एवं कोतवाली स्टाफ के द्वारा मौका का मुआयना किया गया जो घर के बाहर रोड़ पर बुलेट का खाली खोखा पड़ा हुआ था एवं शटर पर बुलेट के फायर का निशान था जो गोली शटर चीरते हुए दुकान के अंदर से घर में प्रवेश कर गईउसी स्थान पर जहां बुलेट का निशान लगा है उसी स्थान पर प्रार्थी रोज सोया करता था इससे प्रतीत हुआ कि प्रार्थी को जान से मारने की नीयत से फायर किया गया है।
संपूर्ण जांच फरियादी से पूछताछ से जानकारी प्राप्त हुई कि फरियादी की एक विवादित प्रापर्टी छिंदवाडा चौक मे है जिसकी कीमत लगभग 3 करोड रूपये है परंतु फरियादी के अपने सगे परिजनो के द्वारा उस प्रापर्टी पर कब्जा रखते हुये छोडा नही जा रहा है। जिसका प्रकरण कोर्ट मे चल रहा है इसी दौरान फरियादी द्वारा प्रापर्टी विवाद से परेशान होकर परेशानी से बचने के लिये उक्त प्रापर्टी किसी दूसरे व्यक्ति को बेचने हेतु एग्रीमेंट किया गया था जिसमे आरोपी अमन चौहान एवं गौरव दीक्षित भी प्रापर्टी बिकने पर लाभ लेना चाहता था परंतु उसके मनसूबे पूरे नही हो पा रहे थे इसी बीच प्रार्थी एवं प्रापर्टी के कब्जेधारी कृष्णा चौरसिया द्वारा प्रार्थी को जान से मारने की धमकी दी गयी थी जिसकी जानकारी आरोपीगण को लगी इसी बात का लाभ उठाने के उद्देश्य से उक्त दोनो आरोपीयो के द्वारा आपराधिक षडयत्र कर एक योजना बनायी कि अगर ये लोग सत्येन्द्र चौरसिया पर जान लेवा हमला करेगे तो सीधा शक कृष्णा पर जायेगा और अमन और गौरव का प्रापर्टी पर कब्जे का रास्ता साफ हो जायेगा।लिहाजा गौरव दीक्षित और अमन चौहान के द्वारा भोपाल से दो शूटर की व्यवस्था की गयी जिसके नाम क्रमशः निखिल वाथम और गोलू अहिरवार है, निखिल वाथम के द्वारा उक्त घटना मे एक देशी पिस्टल से फरियादी के घर पर ऐसे स्थान पर फायर किया जहाँ फरियादी सोता था परंतु उसी रात फरियादी किसी कारण से उसी जगह पर नही सोया जिससे उसकी जान बच गयी घटना मे गोलू अहिरवार के द्वारा वाईक चलाते हुये घटना स्थल तक पहुँचा था बाईक की व्यवस्था आरोपी अमन चौहान ने स्थानीय स्तर से करायी थी जिसको जप्त कर लिया गया है।
घटना के तत्काल बाद कोतवाली पुलिस एवं उनकी टीम के द्वारा लगभग 50 सीसीटीव्ही कैमरे एवं अन्य स्थानो पर जाकर अज्ञात आरोपी का पता किया जिसमे पुलिस के द्वारा अमन चौहान को सबसे पहले चिह्नित करते हुये पकडा जिसके आधार पर अन्य आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है घटना का मुख्य आरोपी एवं साजीशकर्ता गौरव दीक्षित घटना की जानकारी लगते ही सकुनत से फरार है जिसको गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गौरव दीक्षित एवं घटना मे मुख्य शूटर निखिल वाथम भोपाल मे आपराधिक गतिविधियो के शामिल रहे है। गिरफ्तार आरोपी शूटर निखिल वाथम पिता स्व. सुनील वाथम उम्र 25 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी निशांतपुरा भोपाल (पूर्व से मारपीट एवं आबकारी के प्रकरण पंजीबध्द है। गोलू अहिरवार पिता स्व. अवध नारायण अहिरवार उम्र 25 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड गैस राहत कालोनी थाना निशांत पुरा भोपाल पूर्व से भोपाल मे मारपीट के मामाले पंजीबध्द है। अमन चौहान पिता स्व रमेश चौहान उम्र 28 साल निवासी भैरोगज सिवनी। फरार आरोपी गौरव दीक्षित पिता स्व. नरेन्द्र दीक्षित उम्र 30 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड सिवनी।

विशेष भूमिका

एसडीओपी सिवनी सचिन परते, निरीक्षक सतीश तिवारी, प्रआर मुकेश गौडाने, सिध्दार्थ दुबे, सतीश इनवाती, प्रतीक बघेल ।

केवलारी में तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय जनकल्याण शिविर का हुआ सफल समापन

केवलारी। जिला सिवनी 7 दिनांक 15 जून 202 6 मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार, विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन हेतु संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत, जनपद पंचायत कार्यालय प्रांगण केवलारी में आयोजित तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय जनकल्याण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस शिविर के दौरान श्रीमती अंजली शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सिवनी ने भी शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्रीमती अंजली शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी एवं प्रांजल पाठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत केवलारी, सदस्यगण, जनपद

पंचायत केवलारी, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं पत्रकार गणों के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने शिविर में लगे विभिन्न विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया एवं उपस्थित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर गुणवत्तापूर्ण और त्वरित कार्यवाही कर आमजनों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। दिनांक 13 जून 2026 से 15 जून 2026 तक चले इस तीन दिवसीय शिविर में शासन के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए और आमजनों को कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभ हेतु क्षेत्र के नागरिकों से कुल 448 आवेदन प्राप्त हुए। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करें।
इसके अतिरिक्त, शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित विशेष स्वास्थ्य जांच कैंप में भी बड़ी संख्या में नागरिकों ने लाभ उठाया। चिकित्सकों की टीम द्वारा आमजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं उन्हें आवश्यक दवाइयां तथा चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर के सफल आयोजन और समापन के अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने शिविर में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों और उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले क्षेत्र के समस्त नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहली ही बारिश में मुंगवानी रोड जलमग्न, घरों में घुसा पानी

सिवनी। मानसून की पहली तेज बारिश ने ही शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। मुंगवानी रोड स्थित राजपूत मंगल भवन के सामने जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी आसपास के कई घरों में घुस गया। घरों में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति निर्मित होती है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है।
स्थानीय निवासी वेंकटेश सोनकेशरिया ने बताया कि पहली ही बारिश में उनके घर में पानी भर गया। अचानक घर में पानी घुसने से परिवार को काफी परेशानी उठानी पड़ी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण हर साल बरसात के दौरान लोगों को इसी समस्या का सामना करना पड़ता है।
वेंकटेश सोनकेशरिया ने आरोप लगाया कि जलभराव की समस्या

को लेकर कई बार नगरपालिका अधिकारियों से संपर्क किया गया। लिखित एवं मौखिक शिकायतें भी की गईं, लेकिन हर बार उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया गया। इसके बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।
क्षेत्र के अन्य रहवासियों ने भी बताया कि बारिश का पानी घरों में घुसने से दैनिक जीवन प्रभावित हो गया। लोगों को घरों से पानी निकालने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी।
स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आगामी बारिश में स्थिति और गंभीर हो सकती है। रहवासियों ने नगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि मुंगवानी रोड क्षेत्र का तत्काल निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए तथा स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में लोगों को इस प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

केवलारी उगली मार्ग बंजारी घाट में विशाल काय पेड़ गिरने से आवागमन हुआ बाधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

केवलारी से उगली मार्ग में मां बंजारी की घाटी में आज शाम 5 बजे करीब तेज आंधी तूफान के चलते दो विशाल काय पेड़ गिर गये जिसके चलते दोनो ओर सैकड़ों वाहनों की कतार लग गयी। गनीमत रही कि पेड गिरते समय कोई वाहन एवं जन पेड के नीचे नहीं था । एक वाहन के जाते ही उसके पीछे पेड गिर गया वाहन सहित चालक बाल बाल बच गया । कुछ समय के लिए अफरा तफरी का माहौल बन गया था । तेज आंधी तूफान से लोग और वाहन चालक घबराये हुए थे। कुछ देर बार तूफान थम गया जब लोगों ने राहत की सांस ली। मानसून भी धीरे धीरे अपनी दस्तक देने लगा है। राजदीप राहगडाले मीडिया प्रभारी ने बताया कि इसकी सूचना पुलिस एवं वन विभाग को दी गयी । मौके में संबंधित विभाग के आला अधिकारी और कर्मचारी नहीं पहुंचे, स्थानीय लोगो एवं डंफर चालको की सहायता से विशाल काय पेडो को हटाया जाकर मार्ग को सुचारू रूप से चालू किया गया ।

केवलारी के प्रथम बघेल का भोपाल ट्रायल मैच के लिए चयन

दिल्ली अंडर 15 क्रिकेट चैंपियनशिप में जगह बनाने का सुनहरा मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

स्थानीय खेल प्रतिभाओं के लिए एक बेहद गौरवशाली और हर्ष का विषय सामने आया है। सिवनी जिले के केवलारी नगर के उभरते हुए युवा क्रिकेटर प्रथम बघेल पिता ब्रजेश बघेल, मां सपना बघेल का चयन आगामी भोपाल ट्रायल मैच के लिए हुआ है। प्रथम को आगामी 17 जून से भोपाल में आयोजित होने वाले मैचों में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। यदि वे यहाँ अपनी खेल क्षमता का लोहा मनवाने में सफल रहते हैं, तो उन्हें सीधे दिल्ली के उस बड़े मंच पर खेलने का अवसर मिलेगा,जिसका सपना देश का हर युवा खिलाड़ी देखता है, महान क्रिकेटरों की देखरेख में मिल रहा है।
नगर के फ्रेंड्स क्लब अध्यक्ष संजीव अवधिया,नेहरू स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष पूर्व खिलाड़ी रफीक खान, श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभागीय अध्यक्ष मनीष जैन पूर्व खिलाड़ी , सुधीर पांडे सांसद प्रतिनिधि, रमाशंकर महोबिया अध्यक्ष कतिया समाज, शिव चौधरी नगर परिषद उपाध्यक्ष पूर्व क्रिकेटर, संपादक राकेश आत्मपूज्य, फ्रेंड्स क्लब के सलाहकार अधिवक्ता पवन यादव, रामनरेश दुबे ने प्रथम बघेल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर के इन सभी बच्चों के प्रशिक्षक जो की रिदा करीम करीम स्पोर्ट्स के रेगुलर प्लेयर थे, कि मेहनत जो सुबह 5 बजे से शुरू होती थी।
गौरतलब है कि आगामी 24 जून 2026 से दिल्ली में भव्य अंडर 15 क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन

होने जा रहा है। यह चैंपियनशिप देश के उन युवा खिलाड़ियों को एक बेहतरीन और बड़ा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है, जो भविष्य में भारतीय क्रिकेट का नाम रोशन करना चाहते हैं। सबसे खास बात यह है कि इस पूरी चैंपियनशिप का आयोजन क्रिकेट जगत के महान खिलाड़ी सर सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, युजवेंद्र चहल और पार्थिव पटेल जैसे दिग्गजों द्वारा किया जा रहा है।

कड़े मुकाबले के बीच बनाई जगह

इस चैंपियनशिप के लिए देश के पांच प्रमुख शहरो मुंबई, दिल्ली, जयपुर, भोपाल और गोंदिया में सिलेक्शन ट्रायल आयोजित किए गए थे। इस कड़े मुकाबले में पूरे देश से कुल 1,863 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी किस्मत आजमाई। इतने बड़े और कड़े मुकाबले के बीच केवलारी के प्रथम बघेल ने भोपाल ट्रायल के लिए अपनी जगह पक्की कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

आकाश चोपड़ा करेंगे खिलाड़ियों का ऑक्शन

इस चैंपियनशिप में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों के लिए खिलाड़ियों का चयन (प्लेयर्स ऑक्शन) पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा द्वारा किया जाएगा। ऐसे बड़े और पेशेवर मंच पर खुद को साबित करना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक चुनौती है, जिसके बेहद करीब अब प्रथम पहुंच चुके हैं।

क्षेत्र में हर्ष की लहर, उज्ज्वल भविष्य की कामना

प्रथम बघेल की इस शानदार उपलब्धि और भोपाल ट्रायल में चयन होने पर उनके परिवार, मित्रों सहित पूरे केवलारी क्षेत्र के खेल प्रेमियों में भारी उत्साह और हर्ष का माहौल है। सभी ने प्रथम को 17 जून से शुरू होने वाले मैचों के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और उम्मीद जताई है कि वे भोपाल में शानदार प्रदर्शन कर दिल्ली के मुख्य मंच पर केवलारी और सिवनी जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाएंगे।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल

सिवनी जिले के घंसौर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में मंगलवार देर रात मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद रेलवे कर्मचारियों और स्टेशन मास्टर की मदद से घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जानकारी के अनुसार, घंसौर के नर्मदा नगर निवासी बृजेश ठाकुर (40) मंगलवार देर रात रेलवे स्टेशन के पास रेल पटरियों के किनारे से गुजर रहे थे। इसी दौरान वह किसी कारणवश मालगाड़ी की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक कई फीट दूर जा गिरा और गंभीर रूप से चोटिल हो गया।

स्टेशन मास्टर और रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंचे

घटना की सूचना मिलने पर स्टेशन मास्टर और रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसकी स्थिति का परीक्षण किया।जांच में शरीर के तीन से चार स्थानों पर हड्डियां टूटने की आशंका जताई गई। गंभीर चोटों और बेहतर इलाज की आवश्यकता को देखते हुए चिकित्सकों ने बृजेश ठाकुर को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग

बताया गया है कि घायल युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है और विशेषज्ञ की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि घटना के समय युवक रेलवे ट्रैक के पास किस कारण मौजूद था। हादसा दुर्घटनावश हुआ या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी जांच की जा रही है। रेलवे प्रशासन और पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, साथ ही लोगों से रेल पटरियों के समीप अनावश्यक आवाजाही से बचने की अपील भी की गई है।

खैरी पंचायत में रोड-नाली निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण को हटाये जाने की मांग

महिलाओं ने जनसुनवाई में पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिला मुख्यालय से लगी जनपद पंचायत सिवनी की सबसे समीपस्थ ग्राम पंचायत खैरी (मरझोर) के ग्राम खैरी में लोक निर्माण विभाग के द्वारा बनायी जा रही सडक़ एवं नाली के कार्य में बाधा बन रहे अतिक्रमण को हटाया जाकर स्वतंत्र रूप से रोड-नाली का बारिश के पूर्व निर्माण पूर्ण कराये जाने की मांग को लेकर ग्राम की महिलाएं बड़ी संख्या में एकत्र होकर जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंची और ज्ञापन सौंपा है।
ज्ञापन में महिलाओं ने बताया कि ग्राम खैरी में लोक निर्माण विभाग के द्वारा सडक़ एवं नाली का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसमें 18 फीट चौड़ी रोड और दोनों ओर 4-4 फिट चौड़ी नाली का निर्माण कार्य किया जा रहा है, लेकिन सडक़ एवं नाली के निर्माण कार्य में गांव के कुछ दबंगों के द्वारा किये गये शासकीय भूमि में अतिक्रमण बाधा उत्पन्न कर रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिस

ठेकेदार को सडक़-नाली के निर्माण कार्य का ठेका दिया गया है उसके द्वारा पंचायत से अतिक्रमण हटाने की बात कहीं गई है और अतिक्रमण नहीं हटाये जाने की स्थिति में कार्य अधूरा छोडक़र चले जाने की बात भी ठेकेदार द्वारा कहीं जा रही है।
ज्ञापन में आगे बताया गया कि विगत एक माह पूर्व ग्राम पंचायत खैरी के द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया था और इसके बाद भी जब लोगों ने अपने अतिक्रमण नहीं हटाये तो 12 जून को पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई और एक कच्चे मकान को तोड़ दिया गया, कार्यवाही में ग्राम के दबंगों के द्वारा दबाब डालकर कार्यवाही को वहीं रोक दिया गया। आगामी कुछ दिनों में बारिश का मौसम प्रारंभ हो जायेगा और गांव में जगह-जगह जलभराव की स्थिति नाली निर्माण नहीं होने के चलते होती है। जलभराव की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नाली और सडक़ का निर्माण बहुत ही जरूरी है। महिलाओं ने जिला कलेक्टर से अतिक्रमण को समय रहते हटाकर नाली एवं सडक़ का निर्माण बारिश के पूर्व कराये जाने की मांग की गई है।
ज्ञापन सौंपने पहुंची महिलाओं में प्रेमलता उपाध्याय, सीमा सनोडिया, विजिया यादव, शिवकुमारी सनोडिया, जमोत्री सनोडिया, यशोदा सनोडिया, ममता सनोडिया, रीता सनोडिया, खसीटी सनोडिया, सुहागा, रेशमा, आरती, मेमवती सनोडिया, रश्मि यादव, पुष्पलता यादव, सुमंत्रा, रानू यादव, इन्द्रबाई सनोडिया, कुमारी बाई, सिरजो बाई सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी।

वाहन मालिक ने दी आर्थिक सहायता, पुलिस के आश्वासन पर माने ग्रामीण

कटंगी में शव रखकर प्रदर्शन : ओमनी हादसे में मौत के बाद बाइक दुर्घटना बताने पर भड़के परिजन

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद मौत का कारण छिपाने और परिजनों को गुमराह करने का मामला सामने आया है। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने बुधवार सुबह मृतक भरत लाल नेवारे का शव कटंगी शहर के वारासिवनी रोड स्थित तिरुपति एग्री सीड्स कृषि केंद्र के सामने रखकर करीब साढ़े 03 घंटे तक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने वाहन मालिक पर हादसे की सच्चाई छिपाने और पुलिस को गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार को न्याय व आर्थिक सहायता की मांग की। मामला तब शांत हुआ जब दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वाहन मालिक बब्बू गौतम ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दी और कटंगी पुलिस ने रामपायली थाने में परिजनों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद परिजन शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए गांव रवाना हुए। पुलिस मृतक के कुछ परिजनों को लेकर एफआईआर कराने रामपायली थाने गई।

क्या है पूरा मामला-

दरअसल, मंगलवार 16 जून को सुबह करीब 7 बजे रामपायली थाना क्षेत्र के खड़गपुर से अमई सड़क मार्ग पर एक सड़क हादसा हुआ। एक ओमनी कार रोड साइड क्रैश बैरियर से जाकर टकरा गई। इस हादसे में ग्राम अगासी निवासी भरत लाल नेवारे की मौत हो गई। हादसे के बाद भरत को पहले वारासिवनी और फिर जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल बालाघाट में पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया। विवाद की शुरुआत 16 जून की दोपहर करीब 3 बजे हुई। कुछ स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खबर प्रकाशित और प्रसारित हुई कि भरत लाल बाइक से जा रहा था। खबर में रवि पटले का बयान था, जो स्वयं को मृतक भरत लाल का पड़ोसी बता रहा था। रवि पटले ने मीडिया को बताया कि भरत लाल अपने किसी रिश्तेदार को लेने के लिए रामपायली जा रहे थे। रास्ते में अचानक वन्य प्राणी जंगली सुअर सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में हादसा हुआ। घटना के बाद भरत लाल को वारासिवनी लेकर गए, जहां से जिला अस्पताल बालाघाट ले गए, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई।

परिजनों को मिली अलग-अलग सूचना

जैसे ही यह खबर परिजनों तक पहुंची, माहौल गरमा गया। परिजनों का कहना था कि उन्हें हादसे की सही जानकारी नहीं दी जा रही है। एक तरफ बाइक से हादसे की बात कही जा रही थी, वहीं दूसरी तरफ उन्हें सूचना मिली कि भरत की मौत ओमनी कार की टक्कर से हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया कि ओमनी वाहन मालिक तिरुपति एग्री सीड्स कृषि केंद्र के संचालक, सांवगी निवासी बब्बू गौतम मृतक के परिजनों को लगातार गुमराह करते रहे। कभी बाइक तो कभी ओमनी से सड़क हादसे की सूचना मिलने पर परिवार और परिजनों का गुस्सा बढ़ता गया।

रातभर नहीं हुआ अंतिम संस्कार

हादसा कैसे हुआ, इसे लेकर बने संशय के कारण 16 जून की देर शाम तक मृतक का अंतिम संस्कार नहीं किया गया। परिजन पूरी सच्चाई जानना चाहते थे। पीड़ित परिवार ने जब वाहन मालिक बब्बू गौतम से संपर्क किया तो उसने स्वीकार किया कि हादसा उसकी ही ओमनी से हुआ है। इसके बाद परिजनों ने आर्थिक सहायता की मांग रखी, जिस पर बब्बू गौतम ने सहमति दे दी। लेकिन तय समय पर सहायता न मिलने और पुलिस कार्रवाई को लेकर असमंजस की स्थिति के चलते परिजनों का आक्रोश बढ़ गया। 17 जून बुधवार की सुबह करीब 9 बजे आक्रोशित परिजन और सैकड़ों ग्रामीण मृतक भरत लाल नेवारे का शव लेकर सीधे कटंगी स्थित बब्बू गौतम के कृषि केंद्र तिरुपति एग्री सीड्स पहुंच गए। ग्रामीणों ने शव को दुकान के सामने सड़क पर रख दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। वारासिवनी रोड पर आवागमन प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार राकेश प्रजापति और थाना प्रभारी धमेंद्र कुसराम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। शुरुआत में परिजनों ने पुलिस और प्रशासन की बातों को बिल्कुल भी तवज्जो नहीं दी। उनका कहना था कि जब तक वाहन मालिक आर्थिक सहायता नहीं देता और पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती तब तक वे शव नहीं उठाएंगे। करीब साढ़े तीन घंटे तक चले हंगामे और प्रशासन की समझाइश के बाद दोपहर करीब साढ़े 12 बजे मामला शांत हुआ। समझौते के बाद कटंगी पुलिस मृतक के कुछ परिजनों को अपने साथ लेकर एफआईआर दर्ज कराने रामपायली थाने गई।

कनारी बीट में मिला मृत जंगली भैसा

वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शव को नष्ट किया गया

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

उत्तर वनमंडल सामान्य के अन्तर्गत स्थित दक्षिण लामता वनपरिक्षेत्र सामान्य के लामता भाग 2 सर्किल में स्थित कनारी बीट में एक जंगली भैसा नर पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जून को शाम 5 बजे वनकर्मचारियों द्वारा वन क्षेत्र में गस्ती की जा रही थी। तो उन्हें कनारी बीट के कक्ष क्रमांक 1297 में एक जंगली भैसा मृत पड़ा दिखाई दिया। जिसकी सूचना वन विभाग के वरिष्ट अधिकारियों को दी गई। जिसके पश्चात वनपरिक्षेत्र अधिकारी शिवमपुरी गोस्वामी सहित उनका हमराह स्टाफ तथा उपवनमंडलाधिकारी तथा वनमंडलाधिकारी उत्तर सामान्य रेशम सिंह धुर्वे मौके पर पहुंचे। 16 जून को वरिष्ट अधिकारियों की उपस्थिति में मृत जंगली भैसे का पोस्टमार्टम कराया गया, तथा उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

इनका कहना है

गौर जंगली भैसा जिसकी उम्र हो गई थी यह 15 जून को कनारी बीट में मृत हालत में लाया गया था। चिकित्सकों द्वारा वरिष्ट अधिकारियों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम किया गया जांच के लिए सेम्पल भेजा गया है।
शिवमपुरी गोस्वामी, वनपरिक्षेत्र अधिकारी, लामता सामान्य

पहली बार बोई ग्रीष्मकालीन तिल की फसल बनी लाभ का सौदा

बालाघाट। बालाघाट जिले में परंपरागत खेती से आगे बढ़कर नई फसलों और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने वाले किसानों की सफलता अब ग्रामीण क्षेत्रों में नई प्रेरणा बन रही है। बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत निम्देवाड़ा के प्रगतिशील किसान शिवचरण बघेले और रूपेन्द्र बिसेन ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन एवं उपलब्ध कराए गए उन्नत बीजों से पहली बार ग्रीष्मकालीन तिल की खेती कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

बहुचर्चित डबल मनी मामले में दोनों भाइयों को 7 वर्ष का कारावास

वर्ष 2022-23 के दौरान दोगुना राशि करने को लेकर 47 लाख की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में डबल मनी मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला आया है। बालाघाट न्यायालय के न्यायाधीश दीपनारायण सिंह की अदालत ने दो भाईयों सौरभ हलकरे (24) और विकास हलकरे (26) को दोषी ठहराया है। दोनों को बड्स एक्ट के तहत सात-सात वर्ष का सश्रम कारावास और नौ-नौ लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

जिला अभियोजन अधिकारी कपिल डेहरिया ने बताया कि सौरभ और विकास हलकरे ने 19 मार्च 2022 से 12 मई 2023 के बीच 'डबल मनी' योजना शुरू की थी। उन्होंने लोगों को चार महीने में पैसे दोगुना करने का लालच दिया। आरोपियों ने निवेशकों से पैसे लिए और उन्हें दोगुनी राशि के चेक दिए, यह कहते हुए कि परिपक्वता तिथि पर उन्हें दोगुना पैसा मिल जाएगा। लगभग 49 व्यक्तियों ने उनकी बातों पर विश्वास कर पैसे जमा किए थे। दोनों भाईयों ने कुल 47 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी की और निवेशकों का पैसा नहीं लौटाया।

धोखाधड़ी का पता चलने पर, निवेशकों ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बड्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। जांच के बाद, दोनों दोषियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेजा गया था।

पुलिस ने मामले की पूरी विवेचना के बाद आरोपियों के खिलाफ माननीय न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया। मंगलवार को सुनवाई के बाद न्यायालय ने दोनों भाईयों को दोषी पाते हुए सजा और अर्थदंड का यह फैसला सुनाया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत किसानों को किया जागरूक, पंजीयन एवं क्लस्टर निर्माण कार्य संपन्न

बालाघाट। बालाघाट जिले में किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) के अंतर्गत विभिन्न विकासखंडों में जागरूकता कार्यक्रम एवं पंजीयन अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में बुधवार 17 जून को किरनापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कोस्ते में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को खेत बचाओ अभियान के तहत प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने, संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग, धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) पद्धति, हरी खाद के महत्व, सरकारी प्रमाणित बीजों के उपयोग तथा बीज उपचार की आवश्यकता एवं इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन एवं नरवाई प्रबंधन के संबंध में भी किसानों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों का पंजीयन कार्य भी किया गया।

वहीं कटंगी विकासखंड के ग्राम बिसापुर में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किसानों को जोड़ने के लिए क्लस्टर निर्माण एवं पंजीयन कार्य संपन्न कराया गया। अधिकारियों ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने से होने वाले आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभों की जानकारी देते हुए मिशन से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने का आह्वान किया।

उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के माध्यम से जिले में किसानों को रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विभाग द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण एवं पंजीयन अभियान संचालित किए जा रहे हैं, जिससे किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों का लाभ मिल सके।

बिजली कांट्रेक्टर का शव फांसी पर लटका मिला

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट के बुढ़ी क्षेत्र में बुधवार को एक बिजली कांट्रेक्टर तामेन्द्र ठाकरे का शव उसके कमरे में फांसी पर लटका मिला। सबसे पहले उसकी महिला मित्र ने शव देखा, जिसके बाद उसने रायपुर निवासी तामेन्द्र की बहन अनुसुईया बिसेन को सूचना दी। अनुसुईया ने ही पिता सेकलाल ठाकरे को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतक तामेन्द्र का बुधवार को जन्मदिन था। उसके गले पर फांसी के फंदे के अलावा अन्य घेरेनुमा निशान भी मिले हैं, जिससे घटना संदेहास्पद लग रही है। अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पीएम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

लालबर्रा थाना क्षेत्र के बबरियाटोला निवासी पिता सेकलाल पटले ने बताया कि उन्हें बड़ी बेटी से तामेन्द्र के फांसी लगाने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि तामेन्द्र जिस लड़की से प्यार करता था, वे उससे शादी के लिए तैयार थे। बहन अनुसुईया ने बताया कि उन्हें युवती का फोन आया था, जिसमें उसने 'राज' (तामेन्द्र का उपनाम) के फांसी लगाने की जानकारी दी।

अस्पताल चौकी पुलिस ने मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर डायरी कोतवाली थाना भेजी है, जहां से आगे की जांच की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, युवती को नौकरी मिलने के बाद उसने तामेन्द्र से शादी करने से इनकार कर दिया था। आशंका जताई जा रही है कि इसी बात से आहत होकर तामेन्द्र ने यह कदम उठाया होगा। युवक की मौत की असली वजह का पता उसके मोबाइल की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल पाएगा।

परसवाड़ाघाट के जंगल में हुआ सड़क हादसा, युवक घायल

अशोक ने पेश की मानवता की मिसाल अपने बच्चे का इलाज छोड़ घायल को पहुंचाया अस्पताल

हरिभूमि न्यूज कटंगी। बच्चे का इलाज शाम को भी हो सकता है, लेकिन अगर अभी मदद न करता तो शायद किसी के घर का चिराग बुझ जाता। यह कहना है कटंगी तहसील क्षेत्र के ग्राम मानेगांव निवासी युवा समाजसेवी अशोक कुमार ठाकरे का, जिन्होंने बुधवार को मानवता की मिसाल पेश की। अपने बीमार बच्चे को नाकाडोंगरी अस्पताल ले जा रहे अशोक ने रास्ते में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को देख अपना रास्ता बदला और उसे तत्काल सरकारी अस्पताल कटंगी पहुंचाया। उनके इस कदम की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। घटना बुधवार 17 जून की सुबह करीब साढे.11 बजे की है। कटंगी से बोनकट्टा मुख्य सड़क मार्ग पर तिरोड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परसवाड़ाघाट के आगे जंगल में सड़क हादसा हुआ। ग्राम खजरी निवासी 28 वर्षीय पंकज राहंगडाले अपने चचेरे भाई के साथ बाइक से धार्मिक स्थल चांदपुर दर्शन के लिए जा रहे थे। चचेरे भाई के अनुसार, परसवाड़ाघाट के जंगल वाले हिस्से में एक व्यक्ति शौच के लिए सड़क किनारे गया था। वह अचानक सड़क पर आ गया। पंकज को लगा कि कोई वन्य प्राणी सामने आ गया है। इसी घबराहट में वे विचलित हो गए और बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में पंकज के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। उनका चचेरा भाई भी मामूली रूप से घायल हुआ। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायल की मदद की कोशिश की। तुरंत संजीवनी 108 एंबुलेंस को कॉल किया गया, लेकिन काफी देर इंतजार के बाद भी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। घायल पंकज सड़क पर तड़प रहा था और हर मिनट उसके लिए कीमती था। इसी दौरान समाजसेवी अशोक कुमार ठाकरे वहां से गुजर रहे थे। वे अपने बीमार बच्चे को इलाज के लिए नाकाडोंगरी स्वास्थ्य केंद्र ले जा रहे थे। सड़क पर भीड़ और घायल को तड़पते देख उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रोकी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने बिना एक पल गंवाए निर्णय लिया। अशोक ने अपने बच्चे को गाड़ी में ही बिठाए रखा और घायल पंकज राहंगडाले व उसके चचेरे भाई को अपनी गाड़ी में बैठाकर सीधे सरकारी अस्पताल कटंगी के लिए रवाना हो गए। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने तुरंत पंकज का प्राथमिक उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। लेकिन परिजनों ने समय बचाने के लिए सीधे नागपुर के निजी अस्पताल ले जाने का फैसला किया।

जे-फार्म ऐप से सुपर सीडर बुक कर किसानों ने अपनाई डीएसआर तकनीक

बालाघाट। बालाघाट जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक एवं लागत कम करने वाली कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड कटंगी के ग्राम देवरी बुजुर्ग के कृषक किशोर ऊके पिता देवदास ऊके एवं प्रियंका रामकृष्ण परते ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में जे-फार्म (J FARM) ऐप का उपयोग कर सुपर सीडर मशीन बुक कर अपने खेत में धान की सीधी बुआई (डीएसआर) पद्धति को अपनाया। कृषि विस्तार अधिकारी भूपेन्द्र मासूरकर के मार्गदर्शन में किसानों के 5 एकड़ रकबे में सुपर सीडर मशीन से डायरेक्ट सीडेड राइस (DSR) तकनीक द्वारा धान की बुवाई कराई गई। इस तकनीक में खेत की जुताई एवं रोपाई की पारंपरिक प्रक्रिया की आवश्यकता कम होने से समय, श्रम एवं लागत में उल्लेखनीय बचत होती है। साथ ही किसानों को समय पर बुवाई का लाभ भी प्राप्त होता है। इस दौरान खेत में ढैंचा (Dhencha) बीज का भी उपयोग किया गया तथा ब्राउन मैन्यूरिंग (Brown Manuring) तकनीक अपनाई गई। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार ढैंचा एक हरी खाद फसल है, जो मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाने, भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने तथा खरपतवार नियंत्रण में सहायक होती है। ब्राउन मैन्यूरिंग तकनीक से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

बस यात्री युवक ने परिचालक से की मारपीट, पुलिस ने किया प्रकरण दर्ज

वारासिवनी। थाना क्षेत्र के एक युवक द्वारा बस स्टैंड में बस परिचालक के साथ मारपीट किए जाने की घटना सामने आई हैं। जिसके बाद पीड़ित परिचालक ने उक्त युवक के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई हैं। थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार इंदौर से मलाजखंड तक चलने वाली अनन्त बस में शुभम शुक्ला नामक आरोपित युवक सफर कर रहा था। इस दौरान उसने परिचालक से पानी मांगा, बस में पानी उपलब्ध नही होने पर उसने पानी देने में असमर्थता व्यक्त की। जिस पर उक्त युवक द्वारा चालक व परिचालक से अभद्रता की गई और धमकी दी गई। जिसके बाद बुधवार सुबह बस के वारासिवनी पहुंचने पर उक्त युवक ने अपने साथियों को बुला कर परिचालक के साथ हाथ, मुक्के और बेल्ट से मारपीट की। जिससे परिचालक को चोटें पहुंची हैं। बस के परिचालक ने वारासिवनी थाने में उसके साथ उक्त युवक द्वारा की गई मारपीट की शिकायत दर्ज कराई हैं। जिस पर पुलिस ने पीड़ित का मुलाहिजा करवा कर आरोपित युवक शुभम शुक्ला के विरुद्ध बी एन एस की धारा 296ब(प), 115 (2), 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

सरकार की गलत नीतियों के चलते पेट्रोलियम/ उर्वरक की किल्लतः बंदेवार

बसपा की कार्यकर्ता बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

17 जून को बहुजन समाज पार्टी विधानसभा इकाई वारासिवनी एवम सेक्टर इकाई भोरगढ़ की बैठक सम्पन्न हुई बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमाकांत बंदेवार जोन प्रभारी भोपाल ने बताया की केंद्र एवं प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के चलते पेट्रोलियम पदार्थों एवम उर्वरक की कमी के चलते किसानों, व्यापारियों के साथ साथ आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है आगे बंदेवार ने कहा अभी बोनी का सीजन चल रहा इस समय में किसान उर्वरक के लिए दिन भर लाइन लगा रहा है तो दूसरी तरफ रात दिन डीजल के लिए लाइन लगा रहा है वहीं उर्वरक के लिए भी किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर कीमत से ज्यादा पैसा वसूल रहा है इसका एक मात्र कारण व्यापारियों ,अधिकारियों के साथ सत्ता में बैठे लोगों का दलालों के साथ कमीशन के लिए सांठ गांठ नजर आता है इन सबसे निजात पाने हेतु एक मात्र रास्ता बसपा की विचारधारा को बूथ स्तर तक पहुंचा कर संगठन बनाए बसपा को सत्ता में लाए और देश प्रदेश के साथ साथ किसानों व्यापारियों तथा आम लोगों को विकास कराए बैठक को इंजी0 महेंद्र जिला अध्यक्ष बालाघाट ,एड राज्यपाल ऊके जिला महासचिव , अजाब शास्त्री बसपा नेता ने संबोधित किया सराहनीय योगदान सुजीत ऊके विधानसभा प्रभारी वारासिवनी ,अनिल ऊके प्रभारी कटंगी, बेनिराम वामनकर विधानसभा अध्यक्ष कटंगी, कैलाश मेश्राम विधानसभा अध्यक्ष वारासिवनी की उपस्थित रही।